सत्यमेव जयते

JEEVAN KE UPDESH

जीवन के उपदेश

n1618

New Year 2021-22

रामचरन कुशवाहा एडवोकेट टीकमगढ़

जिला-टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश)

मोबा. - 9993934992

Scanned with OKEN Scanner

सत्यमेव जयते

JEEVAN KE UPDESH

जीवन के उपदेश

41618

प्रथम संस्करण 2021

लेखक एण्ड प्रकाशक

रामचरन कुशवाहा एडवोकेट टीकमगढ़

जिला-टीकमगढ़ (मध्य प्रदेश) मोबा. - 9993934992

नवीन संस्करण 2021 मूल्य = रुपये

Scanned with OKEN Scanner

विषय सूची

1.	प्रार्थना	05
2.	प्राक्कथन	05
3.	संक्षिप्त परिचय	06
4.	दुःख के तीन कारण	07
5.	माता-पिता का ऋण	08
6.	सच्ची प्रेरक कहानी	10
7.	मनुष्य का जीवन	11
8.	पाप का गुरू	13
9.	बृद्धाश्रम	15
10.	पड़ोसी का मकान	16
11.	बाहन बीमा	17
12.	तीन भाई	18
13.	कन्यादान	19
14.	किसी को छोटा मत समझो	21
15.	मनुष्य का जीवन अमूल्य	23
16.	मनुष्य का बृद्धाश्रम (बुढ़ापा)	24
17.	आत्म संतोष परम सुख	26
18.	कष्ट मुसीबत को बोझ न समझो	27
19.	ईश्वर ने बहस ससुनाई	28
20.	आत्म बोध द्रवित परोपकार	30
21.	बैंड़ और पनीर की चोरी	31
22.	मैं न होता तो क्या होता	32
23.	मन्दिर दर्शन	33
24.	बकील साहब	34
25.	संस्कार	35
26.	बड़े साहब	36
27.	बसीयत	37
28.	रोंग से डरो रोगी से नही	39
29.	अमृत की तलाश	41
30.	कविताऐं	42

Scanned with OKEN Scanner

बृजेश पटैल

जिला विधिक सहायता अधिकारी टीकमगढ़
जिला–टीकमगढ़ (म0प्र0)

इस पुस्तक में वरिष्ठ अधिवक्ता श्री रामचरन कुशवाहा जी द्वारा बड़े ही सुन्दर एवं सारगर्भित ढंग से प्रेरणादायक कहानियाँ लिखीं गयीं है जो मनुष्य के दैनिक जीवन में हो रहीं घटनाओं का उल्लेख करतीं हैं। आपके द्वारा रचित कहानियाँ 'तीन भाई' 'मनुष्य का जीवन अमूल्य' 'वृद्धाआश्रम' 'संस्कार' 'माता–पिता का ऋण' 'कन्यादान' 'पाप का गुरू' नामक कहानियाँ बहुत हीं शिक्षाप्रद है जो बड़े ही मार्मिक और ज्यलन्त समस्याओं को दर्शित करतीं है। ''जीवन के उपदेश नामक'' प्रस्तुत पुस्तक लोगों का मार्गदर्शन करेगीं इन्हीं शुभकामनाओं के साथ मैं आपके उज्जवल भविष्य कीं कामना करता हूँ।

आपका शुभेच्छु
(बृजेश पटैल)
जि0 विधिक0 सहा0अधि0 टीगमगढ़
जिला टीकमगढ़ (म0प्र0)

6/6/18

दो शब्द-

इस पुस्तक का हर प्रकरण अपने आपमें अनूठा है। मैंने यह नया कदम उठाने का प्रयास किया है, इसमें जो भी त्रुटियाँ हों, सूचित करें, सही सुझाव देने का कष्ट करें, जिससे इस पुस्तक को अधिक से अधिक उपयोगी बनाया जा सके। हम आपके सदैव आभारी रहेंगे।

लेखक

के0एल0 कुशवाहा

उप निरीक्षक (अ)
जिला पुलिस टीकमगढ़ म.प्र.

वरिष्ठ अधिवक्ता श्री रामचरन कुशवाहा जी द्वारा बड़े ही सरल एवं सुन्दर ढंग से "जीवन के उपदेश" नामक पुस्तक में प्रेरणादायक कहानियां लिखी गई है। यह कहानी संग्रह मनुष्य के दैनिक जीवन में उत्पन्न होने वाली समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुये उनके समाधान का मार्ग प्रशस्त करती हैं। पुस्तक में लिखी कहानियां "दुःख के तीन कारण" कष्ट मुसीबत को बोझ न समझें' वृद्धाआश्रम' 'मनुष्य का जीवन अमूल्य' 'माता-पिता का ऋण' 'मैं न होता तो क्या होता' मंदिर दर्शन' बहुत ही शिक्षाप्रद एवं मानव हृदय में उत्पन्न उलझनों की समाधानकारक है। पुस्तक में लिखित अन्य सभी लेख भी बड़े ही सुन्दर ढंग से उद्धित किये गये हैं जो मार्मिक और हृदय को छू लेने वाले हैं। यह पुस्तक सामान्य जन को उनके दैनिक जीवन में आने वाली विपत्तियों के निराकरण में उनकी मार्गदर्शिका सिद्ध होगी। इन्हीं शुभकामनाओं के साथ मैं आपके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।

भवदीय
(के0एल0 कुशवाहा)
उपनिरीक्षक (अ)
पुलिस कार्या. जिला टीकमगढ़
(म.प्र.)

1. प्रार्थना

हे नाथ
तु हीं मनुष्य जीवन का वास्तविक ध्यये हैं
हम अपनीं इच्छाओं के गुलाम है
जो हमारीं उन्नति में वाधक है।
तू हीं एक मात्र ईश्वर और शक्ति है
जो हमें उस लक्ष्य तक ले जा सकता है।
जय हिंन्द

21/6/18

2. प्राक्कथन

यह पुस्तक किसीं समुदाय को ठेस पहुचाने के लिये नहीं लिखीं गई हैं।
किसीं धर्म जाति परिवार कीं आलोचना नहीं कीं गई है।
किसीं घटना कि मिलतीं जुलतीं कहानीं किसीं परिवार से मेल खातीं है।
तब यह एक संयोग हीं माना जायेगा।
इस पुस्तक के माध्यम से वर्तमान परिवेश पर आधारित घटना
क्रम को हर वर्ग, शहर, क्षेत्र से वर्णन किया गया हैं।
खास तोर पर मानव जीवन पर विशेष महत्वपूर्ण घटनाओं का वर्णन किया गया हैं।
कुछ अंश साभार है। मुझे विश्वास हैं कि आप इस पुस्तक को पढ़कर प्रसन्न जरूर होगें।

दो शब्द-
पाठकों से हम आशा करते हैं कि इस पुस्तक को अधिक उपयोग बनाने के लिए आपके सुझाव आंमत्रित करते रहेंगे, और आपके आभारी रहेंगे।
लेखक

भवदीय
रामचरन कुशवाहा (एडवोकेट)
नया बस स्टेण्ड बाय पास सागर रोड
टीकमगढ़ जिला टीकमगढ़ (म.प्र.)

Scanned with OKEN Scanner

3. संक्षिप्त परिचय

रामचरन कुशवाहा एडवोकेट,

नया बस स्टेण्ड, मुखर्जी चौराहा, टीकमगढ़ (म.प्र.) मो. 9993934992

1. जन्म स्थान– ग्राम देरी तह. खरगापुर जिला टीकमगढ़ (मध्यप्रदेश)
2. दादाजी स्व. श्री धनमति कुशवाहा ब्रिटिश शासन के जमीनदार
3. पिताजी स्व. श्री के.एल. कुशवाहा समाज सेबी साधारण कृषक
4. योग्यता एम.ए. एल.एल.बी. एडवाकेट
5. पत्नि– श्री मति राधा देवीं कुशवाहा मिडिल गृहणी
6. पुत्र– मनोज कुमार कुशवाहा एम.ए. एल.एल.बी एडवोकेट
7. पुत्री– रामरती कुशवाहा एम.ए. बी.एड, कु. रेखा देवीं कुशवाहा बी.एस.सीं. नर्सिंग मेडीकल सागर
8. व्यवसाय – बकालत जिला न्यायालय टीकमगढ़ में कुशवाहा समाज से प्रथम एडवोकेट
9. पूर्व प्रांतीय सचिव – कुशवाहा समाज म.प्र. भोपाल
10. पूर्व अध्यक्ष – जिला कुशवाहा समाज टीकमगढ़ म.प्र.
11. पूर्व उपाध्यक्ष – जिला अभिभाषक संघ टीकमगढ़ (म.प्र.)
    मो. 9993934992, 9131052504

Scanned with OKEN Scanner

41618

Scanned with OKEN Scanner